Platinum Jubilee of IIT Kharagpur

IIT Kharagpur is the first and the largest IIT in the country, established on 18 August, 1951. It began its journey in the old Hijli Detention Camp with only 224 students and 42 teachers. Since then, it has grown into a powerhouse of education, research, and innovation. In 2019, the Government of India recognised IIT Kharagpur as an Institute of Eminence, reflecting its significant contribution to academia and industry.

Today, the campus spans over 2,200 acres and hosts a vibrant community of more than 17,000 students, over 770 faculty members, and around 930 staff members. The Institute comprises 21 academic departments, 11 schools, and 25 centres. These include 12 Centres of Excellence and 2 Academies, all fostering groundbreaking research and innovation.

Beyond engineering and technical education, IIT Kharagpur offers multidisciplinary and transdisciplinary academic programmes. These span fields such as management, law, humanities, precision agriculture, artificial intelligence, social and economic sciences, medical science and technology, classical and folk arts.

The overall mission of the Institute is to foster a spirit of entrepreneurship and innovation among its students. It aims to attract the finest minds in science, technology, management, and law to further teaching and research. The Institute is also committed to undertaking sponsored research and providing consultancy services in industrial, educational, and socially relevant domains, thereby contributing meaningfully to society and the nation.

In the years ahead, the Institute aspires to be counted among the top ten universities in the world. It seeks to become a global centre of excellence in education and research, producing visionary leaders in science, technology, and management. The Institute aims to be a hub for cutting-edge knowledge creation in areas of national and global importance. Above all, it is committed to contributing towards improving the quality of life for every citizen of the country.

With over 1,160 ongoing sponsored research and consultancy projects, IIT Kharagpur plays a pivotal role in national and international missions. It remains a leader in higher education and technology development.

Innovations by faculty and students include Covirap, the iMedex telemedicine system, PUBBS, the Deekshak e-classroom platform, an AI-based system for monitoring social distancing, ultra-high corrosion-resistant stainless steel for Indian space missions, the Painless Needle, Cell Patterning, 2G Ethanol, iWeld, iToFD, circular economy initiatives, low-cost AI meteorological systems, robotic solutions for plant disease detection and treatment, and novel techniques for tracing ancient seasons and climate change, among many others. These achievements have propelled the Institute to global recognition.

IIT Kharagpur was ranked third among the IITs, fourth in India, and 222nd in the world in the QS World University Rankings 2025. It secured second place in India in the QS Sustainability Rankings 2025. According to the NIRF 2024 rankings, the Institute placed sixth overall, fifth in Engineering and Research, second in Architecture, and ninth in Innovation. It also ranked 45th in the Pitchbook University Rankings 2024.

The Institute has forged academic partnerships with prestigious foreign universities including Purdue University, Virginia Tech, UCLA, the University of Edinburgh, the University of Manchester, the University of California, Warwick, National Yang Ming Chiao Tung University in Taiwan, the University of Ulm in Germany, Georgia Tech, and the Universities of Kyoto, Tokyo, and Singapore. These collaborations strengthen India's academic footprint on the global stage.

The commemorative stamps feature artistic depictions of two iconic towers of IIT Kharagpur. The Old Tower, part of the Hijli Saheed Bhawan, represents the Institute's rich heritage.

The Department of Posts is proud to release a set of two commemorative stamps on Platinum Jubilee of IIT Kharagpur. The Institute will complete seventy-five years on 18th August 2026, marking a remarkable journey of excellence in education, research, and innovation. These stamps have been released as part of the Platinum Jubilee Celebrations, paying tribute to the institution's outstanding contribution to nation-building and technological advancement.

Credits:

Stamp/FDC/Brochure/ Cancellation Cachet :	:	Ms. Kanika
Text:	:	Reference from the content provided by Proponent

भारतीय डाक
डाक सेवा-जन सेवा
India Post
Dak Sewa-Jan Sewa

डाक विभाग
DEPARTMENT OF POSTS



आईआईटी खड़गपुर की प्लैटिनम जयंती
PLATINUM JUBILEE OF IIT KHARAGPUR

विवरणिका BROCHURE

आईआईटी खड़गपुर की प्लैटिनम जयंती

आईआईटी, खड़गपुर देश का पहला और सबसे बड़ा आईआईटी है। इसकी स्थापना 18 अगस्त, 1951 में की गई थी। मात्र 224 विद्यार्थियों और 42 शिक्षकों के साथ पुराने हिजली नजरबंदी शिविर (डिटेंशन कैंप) से अपनी यात्रा आरंभ करने वाला यह संस्थान; वर्तमान में शिक्षा, शोध तथा नवोन्मेष का उत्कृष्ट केंद्र बनकर उभरा है। अकादमिक और उद्योग जगत में आईआईटी, खड़गपुर के महत्वपूर्ण योगदान को ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार ने वर्ष 2019 में इसे 'उत्कृष्ट संस्थान' के रूप में मान्यता प्रदान की।

वर्तमान में, इस संस्थान का परिसर 2,200 एकड़ से भी अधिक क्षेत्रफल में फैला हुआ है और यहाँ 17,000 से अधिक विद्यार्थियों, 770 से अधिक संकाय सदस्यों तथा लगभग 930 कर्मचारियों सहित 21 अकादमिक विभाग, 11 विद्यालय और 25 केंद्र हैं। इनमें 12 उत्कृष्टता केंद्र और 2 अकादमिक केंद्र भी शामिल हैं। ये सभी, नए–नए शोधों और नवोन्मेष को बढ़ावा दे रहे हैं।

इंजीनियरिंग और तकनीकी शिक्षा के अतिरिक्त, आईआईटी खड़गपुर बहुविषयक (मल्टीडिसिप्लिनरी) और पारविषयक (ट्रांसडिसिप्लिनरी) शैक्षणिक पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है। इन पाठ्यक्रमों के अंतर्गत प्रबंधन, विधि, मानविकी, परिशुद्ध कृषि, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सामाजिक व आर्थिक विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान और प्रौद्योगिकी, तथा शास्त्रीय एवं लोक कला जैसे विषय शामिल हैं।

अपने विद्यार्थियों में उद्यमशीलता और नवोन्मेष की भावना को पल्लवित करना इस संस्थान का मुख्य मिशन है। इसका उद्देश्य विज्ञान, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन और विधि के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को आकर्षित करना और उन्हें शिक्षण तथा अनुसंधान के लिए तैयार करना है। साथ ही, यह संस्थान औद्योगिक, शैक्षिक और सामाजिक महत्व के विभिन्न विषयों पर प्रायोजित अनुसंधान के जरिए तथा परामर्शी सेवाएं प्रदान करते हुए समाज एवं राष्ट्र के निर्माण में सार्थक योगदान देने हेतु भी प्रतिबद्ध है।

आने वाले वर्षों में, आईआईटी, खड़गपुर की विश्व के शीर्ष दस विश्वविद्यालयों में अपना स्थान सुनिश्चित करने की आकांक्षा है। यह संस्थान विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन के क्षेत्र में दूरदृष्टा नेतृत्व तैयार कर, शिक्षा एवं अनुसंधान के 'वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र' के रूप में उभरने हेतु प्रयासरत है। साथ ही, यह संस्थान राष्ट्रीय और वैश्विक महत्व के क्षेत्रों में 'अत्याधुनिक–ज्ञान सृजन का केंद्र' बनने के लक्ष्य के साथ निरंतर प्रगतिरत है। इन सबसे बढ़कर, यह संस्थान देश के प्रत्येक नागरिक के जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में योगदान देने हेतु प्रतिबद्धतापूर्वक कार्य कर रहा है।

वर्तमान में, आईआईटी, खड़गपुर 1,160 से भी अधिक प्रायोजित शोध कार्यों और परामर्शी परियोजनाओं पर काम करते हुए, तमाम राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस प्रकार, यह संस्थान 'उच्चतर शिक्षा' और 'प्रौद्योगिकी विकास' के क्षेत्र में अपना अग्रणी स्थान बनाए हुए है।

यहाँ के संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों द्वारा किए गए नवोन्मेष में कोविरैप, आईमेडेक्स टेलीमेडिसिन सिस्टम, पीयूबीबीएस, दीक्षक ई–क्लासरूम प्लेटफॉर्म, सोशल डिस्टेंसिंग संबंधी मॉनीटरिंग के लिए एआई–आधारित प्रणाली, भारतीय अंतरिक्ष मिशनों के लिए उच्च–गुणवत्ता वाला जंगरोधी स्टेनलेस स्टील, पीड़ारहित (पेनलेस) सुई, सेल पैटर्निंग, 2जी इथेनॉल, आईवेल्ड, आईटीओएफडी, सर्कुलर अर्थव्यवस्था संबंधी पहलें, कम लागत वाली एआई–चालित मौसम विज्ञान प्रणालियाँ, पौधों में बीमारी का पता लगाने और उसका उपचार करने के लिए रोबोटिक समाधान, और मौसम व जलवायु में प्राचीन समय में हुए परिवर्तनों का पता लगाने की नवीन तकनीकें तथा, और भी कई अन्य नवोन्मेष शामिल हैं। इन उपलब्धियों ने इस संस्थान को वैश्विक मान्यता दिलाई है।

आईआईटी, खड़गपुर को 'क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग, 2025' में, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों के बीच तीसरा, भारतभर में चौथा और दुनिया में 222वां रैंक प्रदान किया गया। जबकि 'क्यूएस सस्टेनेबिलिटी रैंकिंग, 2025' में इसे भारत में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ। 'एनआईआरएफ, 2024 रैंकिंग' के अनुसार, इस संस्थान ने समवेत रूप से छठा स्थान, इंजीनियरिंग और अनुसंधान में पांचवां, आर्किटेक्चर में दूसरा और इनोवेशन में नौवां स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा, इसे 'पिचबुक यूनिवर्सिटी रैंकिंग, 2024' में 45वां स्थान प्राप्त हुआ।

आईआईटी, खड़गपुर ने पर्ड्यू विश्वविद्यालय, वर्जीनिया टेक, यूसीएलए, एडिनबर्ग विश्वविद्यालय, मैनचेस्टर विश्वविद्यालय, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, वारविक, ताइवान के नेशनल यांग मिंग चियाओ तुंग विश्वविद्यालय, जर्मनी के उल्म विश्वविद्यालय, जॉर्जिया टेक तथा क्योटो, टोक्यो और सिंगापुर के विश्वविद्यालयों सहित तमाम प्रतिष्ठित विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ अकादमिक सहयोग साझेदारियाँ की हैं। ये सहयोग साझेदारियाँ वैश्विक मंच पर भारत की अकादमिक मौजूदगी को बल प्रदान करती हैं।

इन स्मारक डाक टिकटों में आईआईटी खड़गपुर के दो सुविख्यात टावरों को कलात्मक रूप से दर्शाया गया है। हिजली शहीद भवन का 'पुरानाटावर' इस संस्थान की समृद्ध विरासत का प्रतिनिधित्व करता है।

डाक विभाग, आईआईटी, खड़गपुर की प्लैटिनम जयंती पर दो स्मारक डाक टिकटों का सेट जारी करते हुए गौरव का अनुभव करता है। 18 अगस्त, 2026 को यह संस्थान; शिक्षा, अनुसंधान और नवोन्मेष के क्षेत्र में उत्कृष्टता की अपनी उल्लेखनीय यात्रा के पचहत्तर वर्ष पूरे करने जा रहा है। यह डाक–टिकट; राष्ट्र निर्माण और प्रौद्योगिकीय उन्नति में इस संस्थान के असाधारण योगदान को रेखांकित करते हैं।

आभार :
डाक टिकट / प्रथम दिवस आवरण / विवरणिका / विरूपण कैशे : सुश्री कनिका
पाठ : प्रस्तावक द्वारा प्रदत्त सामग्री से संदर्भित।

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

मूल्य	:	500 पैसे (2)
Denomination	:	500p (2)
मुद्रित डाक टिकटें	:	306300 प्रत्येक
Stamps Printed	:	306300 Each
मुदिण प्रक्रिया	:	वेट ऑफसेट
Printing Process	:	Wet Offset
मुद्रक	:	प्रतिभूति मुद्रणालय
Printer	:	Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at
http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the Stamps, Miniature Sheets, First Day Cover and Information Brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 15.00